

ALL INDIA COUNCIL OF SPORTS

6642. SHRI DHIRESWAR KALITA: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether Government have reviewed the working of the All India Council of Sports since its inception;

(b) if so, the result thereof; and

(c) whether any steps are being taken to improve its functioning?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI BHAGWAT JHA AZAD):

(a) Yes, Sir.

(b) The Government are satisfied that the All India Council of Sports has been making useful contribution to the development of Sports and Games since its formation.

(c) Yes, Sir.

OCEAN FREIGHT

6643. SHRI DHIRESWAR KALITA: Will the Minister of Transport & Shipping be pleased to state:

(a) whether Government are aware that our export trade is hit by rising ocean freight; and

(b) if so, the steps Government propose to take to get the freight reduced?

THE MINISTER OF TRANSPORT AND SHIPPING (DR. V. K. R. V. RAO): (a) Government are aware of the problems arising from the increases in freight rates. Ocean freight is one of the several factors having a bearing on our exports. There are other factors like production, surplus for export, demand in the external markets and the export prices offered, which also have a bearing on our export trade.

(b) A Freight Investigation Bureau has been set up by the Government to deal with shipping freight problems. The Freight Investigation Bureau keeps a constant and vigilant watch

over freight rate structure in India's overseas trade and has prescribed the procedures for securing reductions/revisions in freight rates. The Freight Investigation Bureau on its own as well as on receipt of complaints regarding specific instances of high freight rates, takes up the matter with the Conferences concerned. Its efforts have proved successful in securing reduction in a number of cases in the past.

हिन्दी स्टेनोग्राफर

6644. श्री रामगोपाल शालवाले :

श्री बृज भूषण लाल :

श्री भारत सिंह चौहान :

श्री स्वतन्त्र सिंह कोठारी :

श्री अटल बिहारी बाजपेयी :

श्री रणजीत सिंह :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विभिन्न मंत्रालयों में दस वर्ष से भी अधिक अवधि से सेवा कर रहे हिन्दी स्टेनोग्राफर अब भी अस्थायी हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उन अंग्रेजी स्टेनोग्राफरों को, जिन्होंने दस वर्ष की सेवा अवधि पूरी की है, स्थायी घोषित कर दिया गया है ; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) तथा (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक हो, तो हिन्दी स्टेनोग्राफरों को अभी तक स्थायी नहीं करने के क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य-मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) से (ग). अंग्रेजी प्राथमिक (केन्द्रीय सचिवालय प्राथमिक सेवा के ग्रेड II के) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा

भर्ती किये जाते हैं और अपने परिवीक्षा काल समाप्त होने पर स्थायी कर लिये जाते हैं बशर्ते कि वे उपयुक्त हों और स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हो। द्वितीय वर्ग के कई आशुलिपिक ऐसे हैं जो 10 वर्ष की सेवा-अवधि पूरी करने पर भी अभी तक स्थायी नहीं हुए हैं। हिन्दी आशुलिपिक मंत्रालयों द्वारा तदर्थ-आधार पर नियुक्त किये गये हैं और उनका स्थायीकरण आयोग द्वारा होने वाली योग्यता परीक्षा पास करने पर होता है। कुछ हिन्दी आशुलिपिक संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास न करने अथवा स्थायी रिक्तियां उपलब्ध न होने के कारण अभी तक अस्थायी हैं।

हिन्दी और अंग्रेजी में सरकारी प्रकाशन

6645. श्री जगन्नाथ राव जोशी :

श्री बृज भूषण लाल :

श्री भारत सिंह चौहान :

श्री स्वतंत्र सिंह कोठारी :

श्री अटल बिहारी वाजपेयी :

श्री रणजीत सिंह :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनके मंत्रालय ने इस आशय का आदेश जारी किया है कि भारत सरकार के सभी प्रकाशनों को हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाशित किया जाना चाहिये।

(ख) यदि हां, तो विभिन्न मंत्रालयों ने कौन-कौन सी पुस्तकें प्रकाशित की हैं ;

(ग) उन में से कौन-कौन सी पुस्तकें हिन्दी में भी प्रकाशित की गई हैं ; और

(घ) शेष पुस्तकों का हिन्दी संस्करण कब तक प्रकाशित किया जायेगा ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य-मन्त्री (श्री बिद्या चरण शुक्ल) : (क) जी नहीं, श्रीमान् ।

(ख) और (ग) . पिछले कई वर्षों के इन आंकड़ों को एकत्रित करने में जो समय तथा श्रम लगेगा वह प्राप्त होने वाले परिणाम के तुल्य नहीं होगा।

(घ) अनुदेश अभी जारी किये गये हैं कि संशोधित राज्यभाषा अधिनियम के अनुच्छेद 3(3) में निर्दिष्ट समस्त सरकारी प्रकाशन हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों में होने चाहियें।

केरल में माओ के इशतहार

6646. श्री जगन्नाथ राव जोशी :

श्री राम सिंह अयरवाल :

श्री जि० ब० सिंह :

श्री हरबयाल बेबगुण :

श्री अटल बिहारी वाजपेयी :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केरल में कन्नानूर जिले में माओ और जनयुक्ति मोर्चे की प्रशंसा में इशतहार लगाये गये हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि यह एक आम बात बन गई है कि कुछ साम्यवादी लोग खुलेआम माओ की प्रशंसा करते हैं और उस जिले में सार्वजनिक रूप से उसके प्रति सम्मान प्रदर्शित करते हैं ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है ?